लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4009

19 मार्च, 2021 को उत्तर दिए जाने के लिए

तमिलनाडु में जूट मिल

4009. श्री टी.आर.वी.एस. रमेश:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या 2019 से तमिलनाडु में हथकरघा, वस्त्र और हस्तशिल्प क्षेत्र में निवेश किया गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु में वस्त्र/जूट मिलों की क्षेत्र-वार संख्या कितनी है;

(घ) क्या सरकार के पास सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों के पुनर्गठन के रूप में या पीपीपी मॉडल के माध्यम से तमिलनाडु में नई वस्त्र/जूट मिलें स्थापित करने, रुगण तथा बंद पड़ी मिलों के पुनरुद्धार करने का कोई प्रस्ताव है; और

(ड) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री

(श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी)

(क) तथा (ख): वस्त्र क्षेत्र में निवेश मुख्यत: निजी क्षेत्र में है। विदेशी बाजारों के साथ-साथ घरेलू बाजार में कच्चे माल, करघों और उपस्करों की खरीद, डिजाइन नवप्रवर्तन, उत्पाद विविधिकरण, अवसंरचना विकास, कौशल उन्नयन, विपणन हेतु पात्र हथकरघा/वस्त्र/हस्तशिल्प एजेंसियां/बुनकरों/कारीगरों को भारत सरकार द्वारा सहायता अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। भारत सरकार द्वारा राज्यवार निवेश के कोई आंकड़े तैयार नहीं किए जाते हैं।

(ग): तमिलनाडु में विभिन्न स्थानों पर 979 कपास तथा मैनमेड वस्त्र मिलें (गैर एसएसआई) है। भारत सरकार तमिलनाडु राज्य में कमुदकुडी, कलयरकोइल, कोयम्बटूर (5) नामक विभिन्न स्थानों में 7 राष्ट्रीय वस्त्र निगम लिमिटेड मिलें चला रही हैं।

(घ) तथा (ड): सरकार की भूमिका अनुकूल वातावरण तैयार करना तथा वस्त्र उद्योगों/इकाइयों के संवर्धन/उन्नयन पर केंद्रित विभिन्न वस्त्र योजनाओं के माध्यम से देश में वस्त्र विनिर्माण को समर्थकारी परिस्थितियां उपलब्ध कराना है। वर्तमान में रुग्ण और बंद मिलों के पुनरूद्धार हेतु कोई प्रस्ताव नहीं है।

***